17

आनंदमयी कविता

# हवा



ऊपर-नीचे दाएँ-बाएँ,
हवा चली साँय-साँय।
मुन्नी को छेड़कर,
चढ़ गई पेड़ पर।
हाथ नहीं आऊँगी,
दूर मैं उड़ जाऊँगी।
मुन्नी बोली हँसकर,
हवा रानी बस कर।
पकड़ तुझे मैं लाऊँगी,
फुग्गे में ले जाऊँगी।

*– शिवचरण सरोहा*

© NCERT not to be republished

## चित्रकारी

**मान लीजिए कि मुन्नी ने हवा से भरे फुग्गे आपको दे दिए। आप उन फुग्गों से क्या करेंगे? सोचिए, चित्र बनाइए और कुछ शब्द भी लिखिए –**

कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं, आप उनमें से भी शब्द चुन सकते हैं।

हवा फुग्गा गुब्बारा खेल मुन्नी

© NCERT not to be republished

चित्र में देखकर बताइए कि मुन्नी के बाईं ओर, दाईं ओर, उसके आगे और उसके पीछे क्या-क्या दिख रहा है –

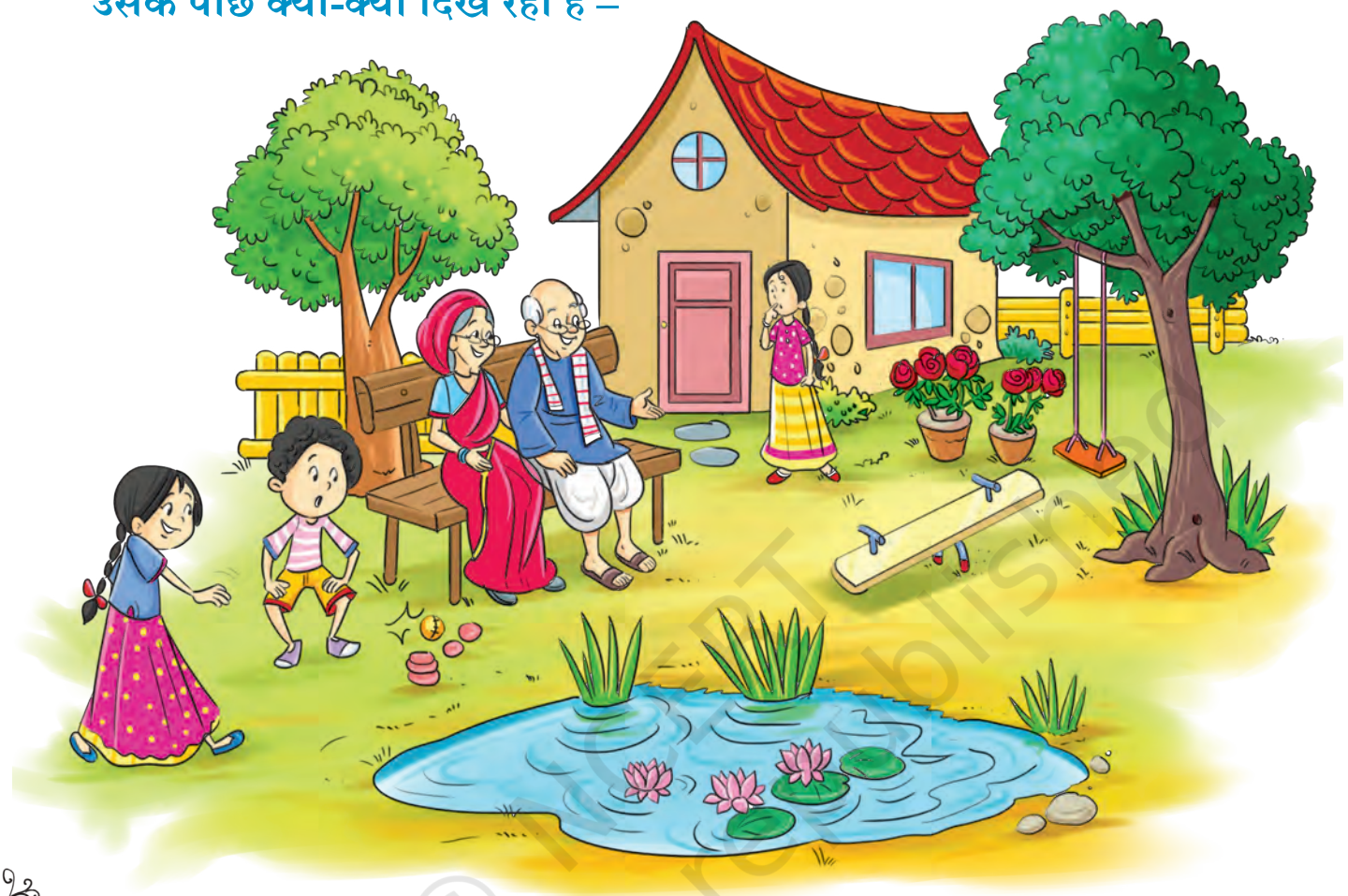

मुन्नी के दाईं ओर – ..... , .....

मुन्नी के बाईं ओर – ..... , .....

मुन्नी के आगे – ..... , .....

मुन्नी के पीछे – ..... , .....

© NCERT not to be republished

## भूल-भुलैया

घोड़े को जंगल तक पहुँचाइए। यह घोड़ा केवल 'ओ' के रास्ते पर ही चलता है और अन्य अक्षरों पर रुक जाता है।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ओ | औ | ओ | क | औ | ज |
| औ | ओ | औ | ट | औ | प |
| ओ | स | म | औ | र | ल |
| छ | ओ | औ | ठ | न | अ |
| ब | औ | ओ | ओ | क | झ |
| थ | ग | व | च | ओ | ओ |

© NCERT not to be republished

18

मिलकर पढ़िए

# कितनी प्यारी है ये दुनिया

मुझे हवा प्यारी लगती है ...
और सूरज और बारिश भी।

मुझे धरती प्यारी लगती है ...
और समुद्र और आसमान भी।

मुझे चिड़ियाँ प्यारी लगती हैं ...
और जानवर और मछलियाँ भी।



© NCERT not to be republished

मुझे फूल प्यारे लगते हैं ...
और फल भी।

मुझे अपनी किताबें अच्छी लगती हैं ...
और अपने कपड़े, अपने खिलौने भी।

मुझे माँ और बापू प्यारे लगते हैं...
और अपने भाई और बहन भी।

मुझे सारी दुनिया प्यारी लगती है।

*– जयंती मनोकरन*



© NCERT not to be republished

## बातचीत के लिए

1. आपको इनमें से क्या-क्या अच्छा लगता है और क्यों –

हवा  बारिश  फल  फूल  खिलौने  धरती

2. इसके अतिरिक्त आपको क्या अच्छा लगता है?

नीचे दिए गए वाक्य को पूरा कीजिए –

मुझे अच्छे लगते हैं .....

अपने मित्रों से भी पूछिए कि उन्हें क्या अच्छा लगता है?

3. कहानी में आए 'प्यारी' शब्द पर गोला लगाइए और लिखिए –

..... ..... .....

## शब्दों का खेल

**अपने शिक्षक की सहायता से नीचे दिए गए शब्दों को पढ़िए। पहली ध्वनि पहचानिए –**

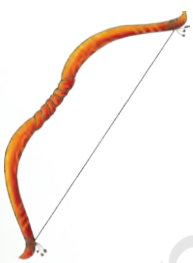
धनुष

फूल

खेल

फल

खिलौना

'ख', 'फ' और 'ध' की ध्वनियों वाले अन्य शब्द बताइए। ये ध्वनियाँ शब्द में कहीं भी हो सकती हैं।

© NCERT not to be republished

# हरी-भरी दुनिया

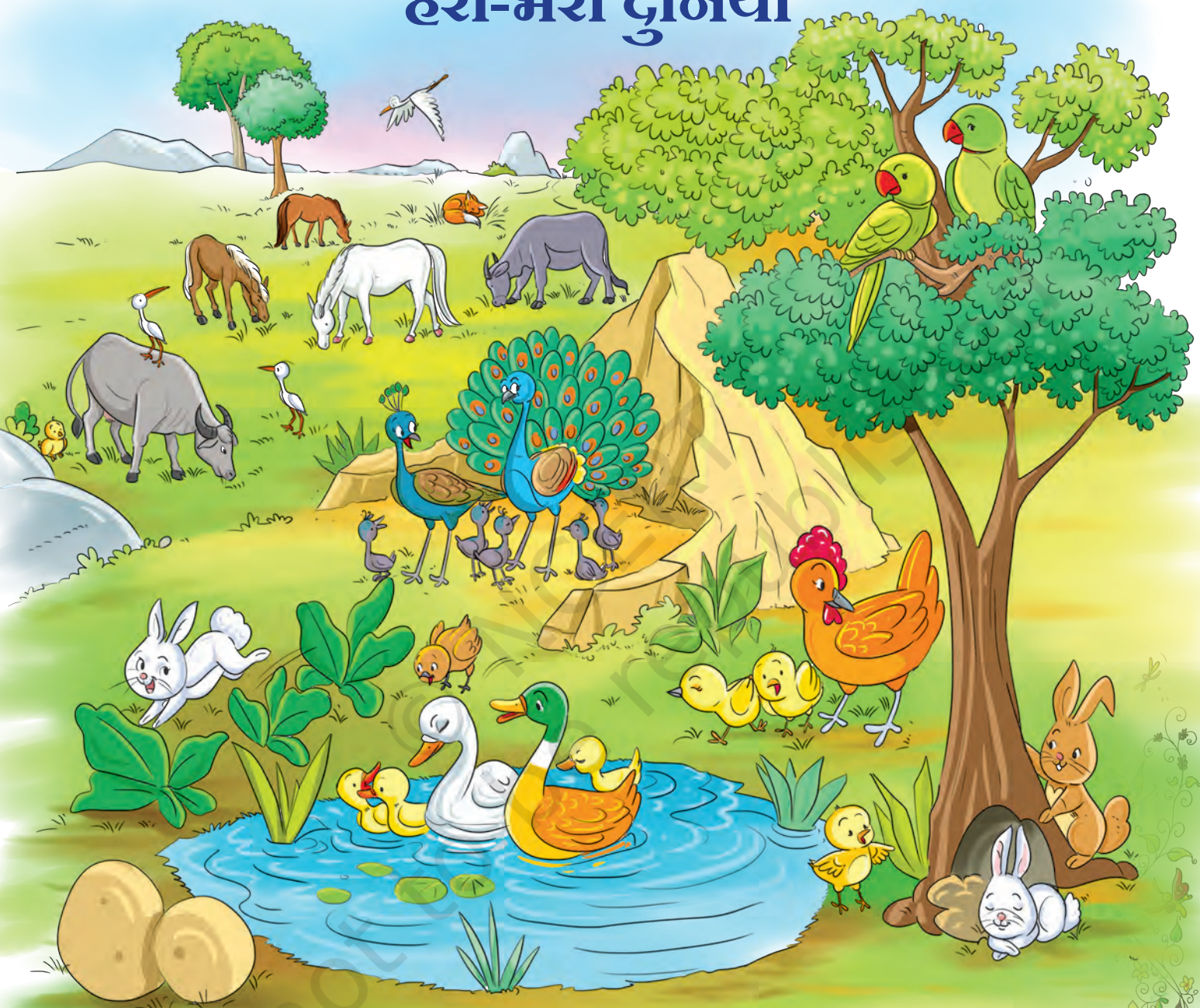

**शिक्षण-संकेत** – बच्चों को चित्र देखने के लिए पर्याप्त समय दें और चित्र से संबंधित बातचीत करें। बातचीत के कुछ बिंदु इस प्रकार हो सकते हैं – 1. चित्र में सबसे हास्यजनक/मनोरंजक बात आपको क्या लगी और क्यों? 2. खरगोश चूजों को क्यों नहीं खोज पा रहा है? 3. बगुले और भैंस में मित्रता कैसे हुई होगी? बच्चों को इस चित्र के आधार पर कुछ प्रश्न स्वयं बनाने और अपने मित्रों से पूछने के लिए प्रोत्साहित करें।

# शब्दों का खेल

## 1. चित्र पहचानकर नाम लिखिए –

.....

.....

.....

.....

## 2. चित्र देखकर नाम बताइए और पढ़ने का प्रयास कीजिए –

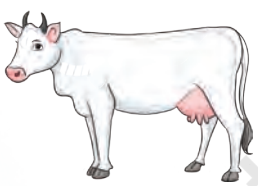

गाय

वन

वर्षा

धनुष

**शिक्षण-संकेत** – चित्रों की सहायता से बच्चों को 'य', 'व' और 'ष' अक्षर की ध्वनियों और आकृतियों से परिचित कराएँ। बच्चों से इन ध्वनियों से बनने वाले शब्द भी पूछें।

© NCERT not to be republished

19

आनंदमयी कविता

QRickit

0122CH19

# चाँद का बच्चा

वह देखो वह निकला चाँद,
अम्मा तुमने देखा चाँद!
यह भी क्या बच्चा है अम्मा,
छोटा-सा मुन्ना-सा चाँद।

इतना दुबला, इतना पतला,
कब होता है ऐसा चाँद!
अम्मा उस दिन जो निकला था,
वह था गोल बड़ा-सा चाँद।
बादल से हँस-हँसकर उस दिन,
कैसा खेल रहा था चाँद!

छुप जाता था, निकल आता था
करता था यह तमाशा चाँद।
अपने बच्चे को भेजा है,
घर में बैठा होगा चाँद।
यह भी एक दिन बन जाएगा,
अच्छा गोल बड़ा-सा चाँद।

अच्छा अम्मा कल क्यों तुमने,
मुझको कहा था मेरा चाँद।

*– अफ़सर मेरठी*

© NCERT not to be republished

## बातचीत के लिए

1. यह कविता किसके विषय में है?
2. कविता का नाम 'चाँद का बच्चा' क्यों रखा गया होगा?
3. आप इस कविता को क्या नाम देना चाहेंगे और क्यों?
4. क्या चाँद हमेशा गोल ही दिखता है?
5. आपकी माँ आपको क्या कहकर पुकारती हैं?

## शब्दों का खेल

**नीचे दी गई वस्तुएँ कैसी हैं— गोल, चौकोर, तिकोनी? रेखा खींचकर मिलाइए –**

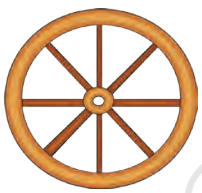

**तुक मिलने वाले शब्दों को खोजकर लिखिए –**

गोल – .....

चाँद – .....

बड़ा – .....

छोटा – .....

माँद खड़ा
बोल लोटा

© NCERT not to be republished

# कौए की कहानी

1

2

3

4

© NCERT not to be republished

**शिक्षण-संकेत** – बच्चों को चित्रों के आधार पर अपने मन से कहानी बनाने और अपनी भाषा में सुनाने के लिए कहें। बच्चों को कहानी को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

## आओ कुछ बनाएँ

अपने आस-पास नीचे गिरे हुए फूल, पत्ते, डंडियाँ एकत्र कीजिए। छोटे समूह में बैठकर इनसे कुछ आकृतियाँ बनाइए। आप तितली, पेड़ आदि भी बना सकते हैं। आकृतियाँ बनाने के बाद कक्षा में सभी को बताइए कि आपने ये कैसे बनाईं।

## चित्रकारी और लेखन

दिए गए चित्र में आप क्या-क्या देख पा रहे हैं? कुछ नाम लिखिए –

..... .....

..... .....

अब इन शब्दों से वाक्य बनाइए –

1. यह एक पेड़ है।
2. .....
3. .....
4. .....

© NCERT not to be republished

## खोजें-जानें

आपके घर के आस-पास जो पेड़-पौधे हैं, उनके नाम जानिए। कुछ पेड़-पौधों के चित्र बनाइए। अपने चित्र के साथ कुछ शब्द भी लिखने का प्रयत्न कीजिए। कक्षा में सभी को बताइए।

## खेल-खेल में

**इस कविता को मिलकर गाइए।**

**दो समूह बनाइए। एक समूह प्रश्न पूछेगा और दूसरा समूह उत्तर देगा।**

### कौन परिंदा

कौन परिंदा बोले चूँ-चूँ
कौन परिंदा गुटरू-गूँ
कौन परिंदा पीहू-पीहू
कौन परिंदा कुकड़ू-कूँ।
कौन परिंदा बोले काँव-काँव
कौन परिंदा बोले कुहू-कुहू
कौन परिंदा बोले टें-टें
नकल उतारे हू-ब-हू!

*– श्याम सुशील*

© NCERT not to be republished

## शब्दों का खेल

कविता में आए 'कौन' शब्द पर घेरा लगाइए। पेड़ पर लगे अक्षरों से शब्द बनाइए –

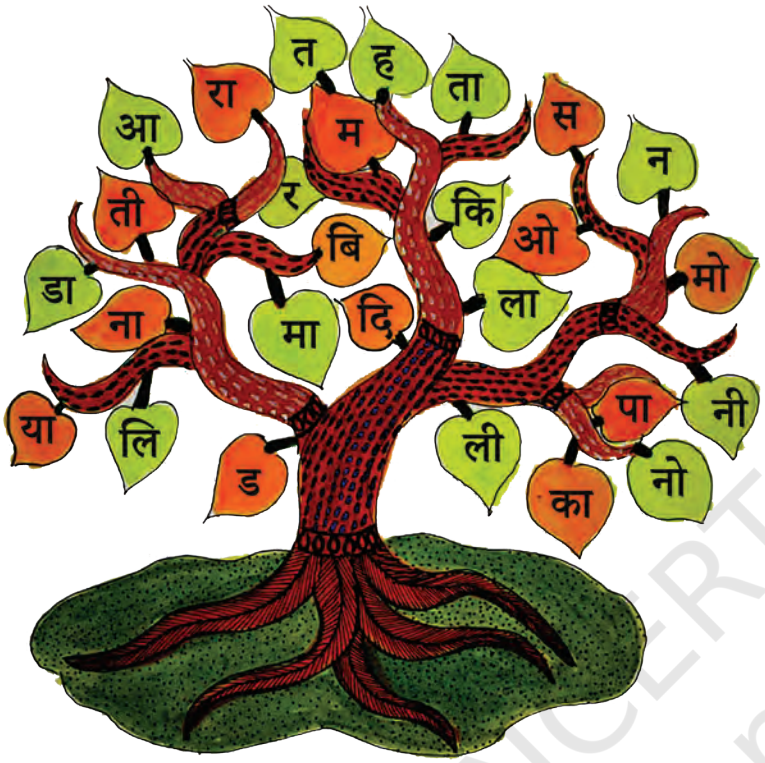


.....

.....

.....

.....

.....

.....

## पढ़िए और लिखिए

कविता को आगे बढ़ाइए –

### हमने तीन चीज़ें देखीं

हमने तीन चीज़ें देखीं, बाबा तीन चीज़ें देखीं
हमने बाग में देखी मकड़ी
वह तो खा रही थी .....ककड़ी.....
उसके पास पड़ी थी .....लकड़ी.....

© NCERT not to be republished

हमने तीन चीज़ें देखीं, बाबा तीन चीज़ें देखीं
हमने बाग में देखा भालू
वह तो खा रहा था .....
नाम था उसका .....
हमने तीन चीज़ें देखीं, बाबा तीन चीज़ें देखीं
हमने बाग में देखा बंदर
वह तो खा रहा था .....
नाम था उसका .....

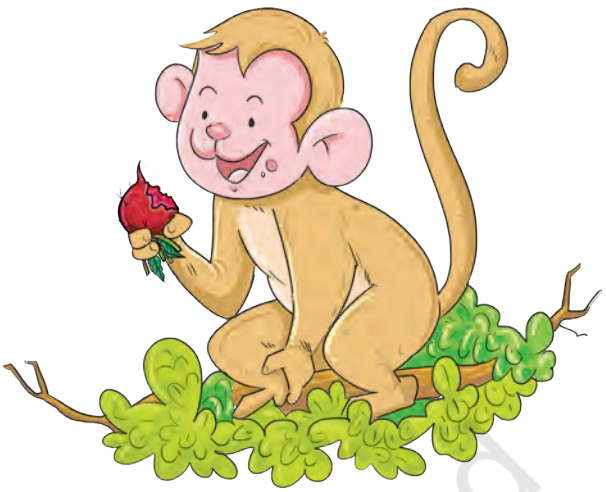

**शब्दों में आए अक्षरों के अनुसार उन्हें 'ठ', 'ध', 'ढ', 'ष' के घर में छाँटकर लिखिए –**

ठाठ धोती ढक्कन धनुष साठ ढोलक धान
बैठ ढीला उषा ठेला षट्कोण धागा

© NCERT not to be republished

# अक्षर गीत

**अ**नार दाड़िम भी कहलाता।
**आ**म चूसकर बच्चा खाता॥

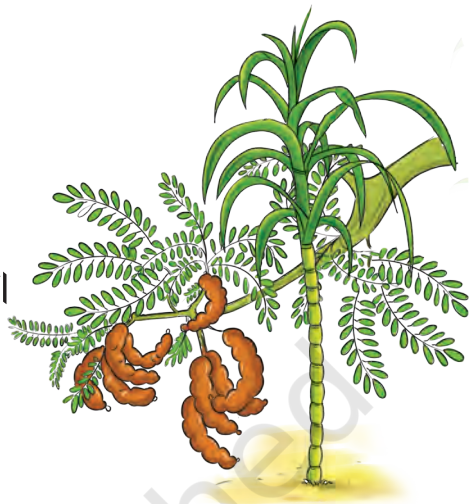

**इ**मली तो खट्टी होती है।
**ई**ख सदा मीठी होती है॥

**उ**ल्लू रात में जगते रहते।
**ऊ**दबिलाव जल-थल में रहते॥

**ऋ**षि-मुनि आकर हवन कराते।
**ॠ** तो संस्कृत में ही पाते॥

(**ऌ** भी संस्कृत में ही होता।
**ॡ** का तो कुछ पता न चलता॥)

**ए**ड़ी में काँटा चुभ जाता।
**ऐ**नक कानों पर चढ़ जाता॥

**ओ**खल में कूटते हैं अनाज।
**औ**षधि करती रोग इलाज॥

स्वर सब यहीं समाप्त होते हैं।
अब हम व्यञ्जन पर चलते हैं॥

© NCERT not to be republished

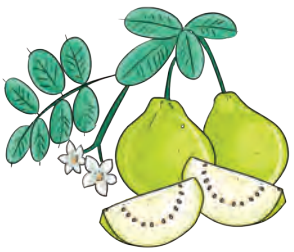

**अं**शक अमरूदों के लाओ।
**अः** अः सब मिल उनको खाओ।।

**क**मल ताल में सबको भाते।
**ख**रल में मसाले पिस जाते।।

**ग**मलों में पानी दे आना।
**घ**ड़ियालों के पास न जाना।।

कङ्घे से माँ बाल बनातीं।
**क** से **ङ** ध्वनि कण्ठ से आतीं।।

**च**म्मच से हम खाना खाते।
**छ**तरी बारिश में ले जाते।।

"**ज**न-गण-मन" सब बच्चे गाते।
**झ**ण्डा खम्भे पर फहराते।।

पञ्चम स्वर में कोयल गातीं।
**च** से **ञ** ध्वनि तालु से आतीं।।

**ट**ट्टू रस्ते में अड़ जाता।
**ठ**ठेरा उत्तम पात्र बनाता।।



© NCERT not to be republished

**ड**लिया में तुम फूल सजाओ।
**ढ**क्कन शीशी पर लगवाओ॥

प**ण्ड**िता हमको पाठ पढ़ातीं।
**ट** से **ण** ध्वनि मूर्धा से आतीं॥

**त**बला लड़का बजा रहा है।
**थ**र्मस से चाय पिला रहा है॥

**द**री बैठ हम गाना गाते।
**ध**नुष उठा हम तीर चलाते॥

**न**ल से नानी पानी लातीं।
**त** से **न** ध्वनि दाँत से आतीं॥

**प**तङ्ग से बच्चे पेच लड़ाते।
**फ**ल पेड़ों से तोड़ कर खाते॥

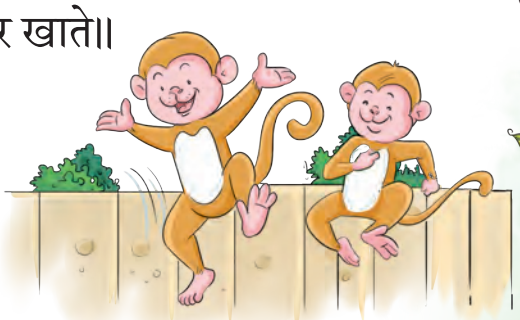

**ब**न्दर कूद-फाँदकर आए।
**भ**गोने लोटे सब लुढ़काए॥

**म**टर-कचौरी बुआ बनातीं।
**प** से **म** ध्वनि ओष्ठ से आतीं॥

© NCERT not to be republished

**य**ज्ञ में घी की आहुति देते।
**र**बड़ी हलवाई से लेते॥

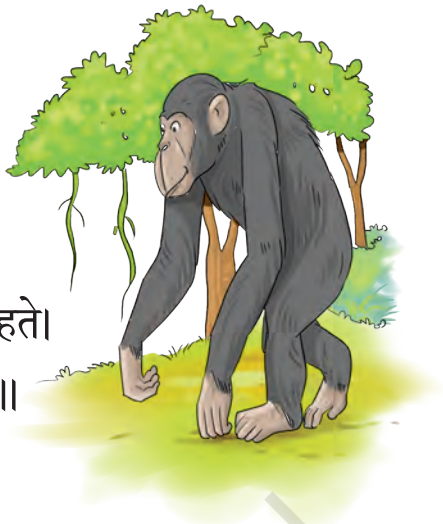

**ल**वण नमक को भी हैं कहते।
**व**नमानुष जङ्गल में रहते॥

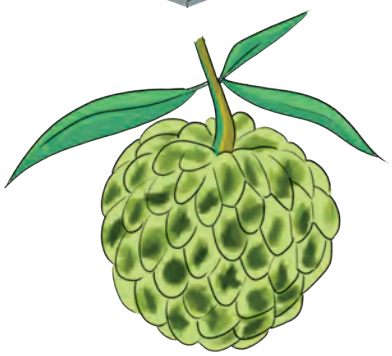

दो-स्वर-मेल से **य र ल व** आते।
अत: अर्धस्वर ये कहलाते॥

**श**रीफ़ा पकने पर ही खाओ।
**ष**ट्कोण चित्र स्वयं बनाओ॥

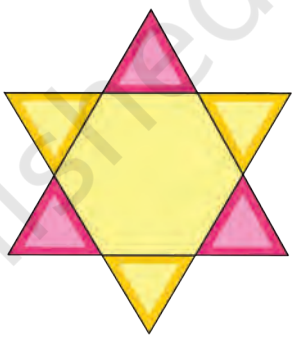

**स**प्तर्षि आकाश चमकाते।
**ह**ल किसान खेतों में चलाते॥

**श ष स ह** ऊष्म कहाते।
अक्षर यहीं समाप्त हो जाते॥

यही वर्णमाला हम गाते।
मिल-जुल अपना ज्ञान बढ़ाते!

आपको अब सब अक्षर आते?

*– मंजुल भार्गव*

© NCERT not to be republished

**शिक्षण-संकेत** – यह कविता केवल आनंद के लिए है। बच्चों को आनंद के साथ इसके अलग-अलग खंडों को वर्ष-भर गाने के लिए प्रोत्साहित करें।